कुमार जीवन - 50

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ कुमार-सदा समर्थ। जहाँ समर्थी है वहाँ प्राप्ति है। सदा सर्व प्राप्ति स्वरूप। नालेजफुल होने के कारण माया के भिन्न-भिन्न रूपों को जानने वाले। इसलिए अपने भाग्य को आगे बढ़ाते रहो। **सदा एक ही बात पक्की करो कि कुमार जीवन अर्थात् मुक्त जीवन। जो जीवनमुक्त है वह संगमयुग की प्राप्ति युक्त होगा।**

➳ _ ➳ **सदा आगे बढ़ते रहो और बढ़ाते रहो। कुमारों को तो सदा खुशी में नाचना चाहिए-वाह कुमार जीवन, वाह भाग्य, वाह ड्रामा! वाह बाबा....यही गीत गाते रहो। खुशी में रहो तो कमजोरी आ नहीं सकती।**

➳ _ ➳ सेवा और याद दोनों से शक्ति भरते रहो। कुमार जीवन हल्की जीवन है। इस जीवन में अपनी तकदीर बनाना यह सबसे बड़ा भाग्य है। **कितने बन्धनों में बंधने से बच गये।** सदा अपने को ऐसे डबल लाइट समझते हुए उड़ती कला में चलते रहो तो आगे नम्बर ले लेंगे। अच्छा-ओम शान्ति। **(03-12-1984)**

➢➢ पुरुषार्थ के मुख्य बिंदु

➳ _ ➳ वाह ड्रामा वाह

→ किसी वस्तु, स्थान , परिस्थिति से कोई शिकायत नहीं

- जो हो रहा है, वही एक्यूरेट है

→ सभी के प्रति कृतज्ञता का भाव

- हर परिस्थिति , व्यक्ति हमें कुछ न कुछ सिखाता है
  - सभी के प्रति धन्यवाद का भाव

➳ _ ➳ तारीफ़ करने वाले तो हमारे अहंकार और मैं की पूर्ति करते हैं

→ असली शिक्षा तो हमें आलोचना करने वालों से मिलती है

- नहीं तो हम सुधरेंगे कैसे
- नहीं तो हमें अपनी कमियों का कैसे पता चलेगा

➳ _ ➳ कभी किसी के खिलाफ कोई reaction आये तो

→ अपने Reaction को 1-1 दिन करके postpone करो